भारतीय जनता पार्टी

(केन्द्रीय कार्यालय)
6ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली

12 जुलाई 2025, शनिवार

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा केरल के तिरुवनंतपुरम में "विकसित केरलम सम्मेलन" में दिए गए उद्बोधन के मुख्य बिंदु

आगामी 2026 के केरल विधानसभा चुनाव में मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए और भाजपा सरकार बनाएगी

****

'विकसित केरलम' सम्मेलन में केरल के कोने-कोने से आए कार्यकर्ताओं की उपस्थिति यह बता रही है कि भाजपा की पहुँच केरल के एक-एक बूथ तक है

****

भाजपा का तिरुवनन्तपुरम का कार्यालय 'विकसित केरलम' की नींव बनने का कार्य करेगा

****

'विकसित केरलम' का नारा भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के बिना पूरा नहीं हो सकता

****

LDF और UDF, दोनों ने केरल को हिंसा, भ्रष्टाचार, वोट-बैंक पॉलिटिक्स, तुष्टीकरण और देश-विरोधी तत्वों के लिए पनाहगार बनाने का काम किया

****

कम्युनिस्ट पार्टी के लिए केरल के विकास से ऊपर कैडर का विकास है और भाजपा के लिए 'विकसित केरलम' सबसे ऊपर है

****

LDF और UDF का ट्रैक रेकॉर्ड भ्रष्टाचार से भरा पड़ा है, केरल में हुआ 'सोने की तस्करी' का घोटाला भारत का सबसे बड़ा 'स्टेट स्पोंसर्ड' घोटाला है

****

केरल के आगामी स्थानीय चुनावों में NDA 21 हजार स्थानों पर चुनाव लड़ेगी और 25% वोटशेयर के साथ हर बूथ पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगी

****

लेफ्ट के गुंडों द्वारा हत्या किए गए भाजपा के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने केरल में भाजपा को लाने का जो स्वप्न देखा था, उसे साकार करने का समय आ गया है

****

'विकसित केरलम' की कल्पना के मूल में मोदी जी के तीन सिद्धांत – 'भ्रष्टाचार मुक्त शासन, भेदभाव मुक्त सरकारी योजनाओं का लाभ, वोटबैंक की पॉलिटिक्स से केरल की मुक्ति' हैं

****

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज शनिवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में भाजपा केरल प्रदेश के कार्यालय का उद्घाटन किया और "विकसित केरलम सम्मेलन" को संबोधित किया। श्री शाह ने बीते 11 वर्षों में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के विकास कार्यों का उल्लेख किया और

उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को 'विकसित केरलम' व 'विकसित भारत' की संकल्पना को पूरा करने की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा केरल प्रदेश के अध्यक्ष श्री राजीव चंद्रशेखर, केन्द्रीय मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन, भाजपा के केरल प्रभारी श्री प्रकाश जावड़ेकर, सह-प्रभारी श्रीमति अपराजित सारंगी एवं अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

श्री शाह ने भाजपा के भव्य कार्यालय का उद्घाटन करते हुए उन सैकड़ों कार्यकर्ताओं को याद किया, जिन्होंने अपनी जान देकर भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा किए गए कार्य, केरल में पार्टी के भविष्य की दिशा का संकेत देते हैं। आज केरल में भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्मित कार्यालय का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस कार्यालय का भूमिपूजन भी मैंने ही किया था और आज इसका उद्घाटन भी मेरे ही द्वारा सम्पन्न हुआ।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने उन्होंने प्रभु पद्मनाभस्वामी के चरणों में प्रणाम करते हुए महान समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी श्री मन्नथु पद्मनाभन, नारायण गुरु और महात्मा अय्यंकाली की पावन भूमि को श्रद्धांजलि अर्पित की और आदि शंकराचार्य की जन्मभूमि केरल को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने आदि शंकराचार्य के अपार योगदान पर प्रकाश डाला, जिसमें वेदांत, ब्रह्मसूत्र, वैदिक गणित और अन्य धर्मग्रंथों पर प्रमुख ग्रंथों की रचना शामिल है, और उनकी महान विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री शाह ने कहा कि कार्यालय का उद्घाटन उनके लिए व्यक्तिगत रूप से विशेष क्षण है, क्योंकि भारतीय जनसंघ के समय से लेकर आज तक की इस यात्रा में ऐसे कई पड़ाव आए हैं जो संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। श्री शाह ने कहा कि **यह कार्यालय केवल संगठन का केंद्र न बनकर, केरल में एनडीए की सरकार बनाने की दिशा में एक सशक्त शुरुवात होगी।** अन्य राजनीतिक दलों के लिए कार्यालय मात्र एक काम करने की जगह होता है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के लिए कार्यालय एक पवित्र स्थल होता है। भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह मंदिर के समान होता है। **कार्यालय के बिना पार्टी की विचारधारा कार्यकर्ताओं तक नहीं पहुंच सकती, और विचारधारा के बिना भारतीय जनता पार्टी में एक कार्यकर्ता की कल्पना भी नहीं की जा सकती।** भाजपा कार्यकर्ता दिन-रात कार्यालय में पार्टी के आदर्शों और सिद्धांतों के लिए पूरी निष्ठा से समर्पित रहते हैं। **भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए कार्यालय केवल एक संरचना नहीं, बल्कि संगठनात्मक चेतना का प्रतीक है।** भाजपा की मान्यता है कि जिस प्रकार संगठन के मूलभूत विचार जनता से जुड़े हैं, उसी प्रकार कार्यालय भी जनता और कार्यकर्ता के बीच एक सशक्त सेतु बनकर कार्य करता है।

श्री शाह ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'विकसित भारत' की संकल्पना देश के 140 करोड़ नागरिकों के समक्ष रखी है और इस **विकसित भारत का मार्ग, विकसित केरल से होकर ही जाता है। दक्षिण भारत के शक्तिशाली राज्यों के समग्र विकास के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है।** इस दिशा में यदि कोई राज्य सांस्कृतिक समन्वय, प्राचीन विरासत और आधुनिकता का सामंजस्य स्थापित कर आगे बढ़ सकता है, तो वह केवल और केवल महान केरल ही है। **यह राज्य विविध संस्कृतियों का संगम है, जो विकास की धारणा को अपनी समृद्ध परंपराओं के साथ जोड़ते हुए एक नई दिशा में अग्रसर हो सकता है और यही वह ताकत है जो विकसित भारत की नींव को मजबूत बनाएगी।** आज से भारतीय जनता पार्टी ने केरल में एक नए युग की शुरुआत की है। जिस आधार पर हम 'विकसित केरलम्' की परिकल्पना करते हैं, उसके मूल में **माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के तीन प्रमुख सिद्धांत निहित हैं। पहला सिद्धांत है,** भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी और जवाबदेह शासन व्यवस्था, **दूसरा सिद्धांत** यह सुनिश्चित करता है कि सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। **तीसरा सिद्धांत है** कि वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर राज्य के समग्र विकास की संकल्पना को साकार किया जाए।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी और भारतीय जनता पार्टी दोनों कैडर आधारित पार्टी है। लेकिन इन दोनों में एक बड़ा फर्क है, **कम्युनिस्ट पार्टी के लिए केरल का विकास से ऊपर है कैडर का विकास, वहीं भाजपा के लिए 'विकसित केरलम' सबसे ऊपर है।** केरल की जनता ने एलडीएफ और यूडीएफ दोनों को कई वर्षों तक मौका दिया, लेकिन इन दोनों ने सिर्फ हिंसा, भ्रष्टाचार, वोट बैंक की राजनीति, तुष्टिकरण और देश विरोधी ताकतों को बढ़ावा दिया। **जिन धाराओं के तहत आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशभर में पीएफआई पर बैन लगाया, वही धाराएं केरल सरकार के पास भी थीं। फिर भी केरल सरकार**

ने पीएफआई पर कार्रवाई क्यों नहीं की? जब ये संगठन देश के दूसरे हिस्सों में फैलने लगा, तब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस पर सख्त फैसला लिया। यह छोटा फैसला नहीं। यह एक बड़ा और जरूरी कदम था। कोई भी विरोध की झंडी लेकर खड़ा हो जाए, तब भी यह सच्चाई नहीं बदल सकती कि देश के हित में यह फैसला जरूरी था और मोदी सरकार ने ही यह फैसला लिया। **जब केरल की जनता परिवर्तन चाहती हैं तो एलडीएफ को हटाने के लिए यूडीएफ को वोट देती है और यूडीएफ को हटाने के लिए एलडीएफ को। लेकिन सच्चाई यह है कि ये दोनों परिवर्तन नहीं कर सकते।** अब समय आ गया है कि विकसित केरलम के लिए असली परिवर्तन किया जाए। **कम्युनिस्ट पार्टी के नेता और कांग्रेस के लोग कह रहे थे कि भाजपा उत्तर भारत की पार्टी है, शायद उन्हें यह जानकारी नहीं है कि असम में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, त्रिपुरा में भाजपा ने वामपंथियों को हटाकर सरकार बनाई, ओडिशा में भाजपा ने सरकार बनाई, तमिलनाडु में भी NDA की सरकार बनेगी और केरल में भी NDA सरकार बनाने जा रहा है।**

श्री शाह ने कहा कि **जब भाजपा ओडिशा में मेहनत कर रही थी, तब भी पार्टी पर ताने कसे गए।** कहा गया कि यहां भाजपा की कोई जगह नहीं है, लेकिन **कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत किया, जन-आधार बढ़ाया और अंततः सरकार में भागीदारी सुनिश्चित की।** इसी तरह असम में भी पार्टी को पहले मजाक का विषय बनाया गया, लेकिन **असम की जनता ने भाजपा को स्वीकार किया और आज वहां लगातार दो बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। केरल की जनता ने 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 11 प्रतिशत वोट दिए, 2019 में यह बढ़कर 13 प्रतिशत हुआ और 2024 में भाजपा को 16 प्रतिशत वोट मिले।** इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए अब केरल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का समय आ गया है। अब सरकार बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत से प्रयास करना है। जनता का रुझान भी अब स्पष्ट है और केरल के मतदाता समझदार और निर्णायक हैं। **आगामी 2026 का विधानसभा चुनाव में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए और भाजपा केरल सरकार बनाएगी।**

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि **केरल में वामपंथी गुंडों द्वारा भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई। उनके परिवारों ने जो सहा है, वह उनका निजी दुख नहीं था। उन सभी का एक स्वप्न था कि केरल में एक दिन एनडीए-भाजपा की सरकार बनेगी। अब वह सपना साकार करने का समय आ गया है।** आज भाजपा उस स्थिति में हैं, जहां पार्टी को 16 प्रतिशत वोट मिल चुके हैं। श्री शाह ने सम्मेलन में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि यहां एक संकल्प लेकर जाएं कि **आने वाले लोकल बॉडी चुनावों में एनडीए 21,000 स्थानों पर चुनाव लड़ेगी और हर बूथ पर कम से कम 25 प्रतिशत वोट प्राप्त कर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगी।**

श्री शाह ने कहा **केरल की मौजूदा सरकार के कार्यकाल में को-ऑपरेटिव बैंक का घोटाला, एआई कैमरा घोटाला, लाइट मिशन में भ्रष्टाचार, फोन परियोजना का घोटाला, पीपीई किट में अनियमितताएं जैसे तमाम घोटाले सामने आए हैं** और देश के इतिहास का सबसे बड़ा 'स्टेट स्पोनसर्ड' 'सोने की तस्करी' के घोटाले का नाम सुनकर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन जी चिढ़ जाते हैं**। यूडीएफ भी इस मामले में पीछे नहीं है, एक कहावत है कि 'बड़े मियां तो बड़े मियां, छोटे मियां सुभान अल्लाह'।** जब भी यूडीएफ को सत्ता मिली, उन्होंने भ्रष्टाचार करने में कोई कमी नहीं छोड़ी। लेकिन अब इन दलों का समय पूरा हो चुका है। **यूडीएफ के कार्यकाल में रिश्वत कांड, सोलर घोटाला, पलारीबट्टम पुल घोटाला जैसे तमाम भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं।** दूसरी ओर, आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र की NDA सरकार को 11 वर्ष हो गए हैं और आज तक विपक्ष एक भी ठोस भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सका है। यही ईमानदार नेतृत्व और भ्रष्ट व्यवस्था के बीच का अंतर है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि **'विकसित केरलम्' का नारा भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के बिना पूरा नहीं हो सकता।** अभी-अभी सबने देखा कि **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विझिंजम पोर्ट का लोकार्पण किया। दक्षिण एशिया की सबसे उन्नत कंटेनर हैंडलिंग तकनीक से युक्त यह पोर्ट केरल के विकास में अहम भूमिका निभाएगा।** 4000 करोड़ रुपये से अधिक की केंद्रीय योजनाओं का लोकार्पण किया गया, जिनमें 1800 करोड़ रुपये की लागत से तैयार ड्राय डॉक भी शामिल है। 65 हजार करोड़ राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए के लिए केन्द्र सरकार ने केरल को दिए और इसी तरह 2 वंदे भारत ट्रेनों से 11 जिलों को जोड़ने का कार्य

किया गय। **कांग्रेस सरकार में 2004 में केरल को रेलवे के लिए मात्र ₹372 करोड़ रुपये का बजट मिलता था, जिसे अब बढ़ाकर ₹3007 करोड़ कर दिया गया है।** कांग्रेस शासन की तुलना में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने केरल के विकास के लिए कई गुना अधिक धनराशि उपलब्ध कराई है। इसका पूरा विवरण आज भाजपा कार्यालय से प्रेस नोट के माध्यम से सार्वजनिक किया जाएगा।

श्री शाह ने कहा कि **माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश में लंबे समय से लंबित और उलझे हुए कई मुद्दों का समाधान किया है।** ऐसे बड़े-बड़े कार्य, जो दशकों तक अधूरे रहे और जिन्हें कोई सरकार सुलझा नहीं सकी, उन्हें **आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने नेतृत्व में पूरा करके दिखाया। धारा 370 खत्म करना, भव्य राम मंदिर का निर्माण, पीएफआई पर प्रतिबंध, तीन तलाक की प्रथा को समाप्त करना, वक्फ संशोधन बिल जैसे कार्य भाजपा सरकार के कार्यकाल में हुए।** इन सभी मुद्दों पर न एलडीएफ सहमत है, न यूडीएफ सहमत है, लेकिन माननीय प्रधानमंत्री जी देशहित में निर्णय लेने से कभी पीछे नहीं हटे। इन **ऐतिहासिक निर्णयों के साथ-साथ आदरणीय मोदी जी ने देश के 60 करोड़ गरीबों को घर, बिजली, पानी, ₹5 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा, 5 किलो अनाज जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराईं हैं। बीते 11 वर्षों में उन्होंने विकास को जनसामान्य तक पहुंचाया है। देश की अर्थव्यवस्था, जो पहले 11वें स्थान पर थी, आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है** और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत पहले से कहीं अधिक सुरक्षित हुआ है। **मार्च 2026 तक पूरा देश नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा।** इस प्रकार के आतंकवाद का अंत सिर्फ आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है। उरी में जब हमला हुआ, देश की सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक की, पुलवामा में हमला हुआ तो एयर स्ट्राइक की और जब पहलगाम में आतंकी हमला हुआ, तो मोदी सरकार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वह सब किया है जो पहले केवल भाषणों में होता था और इसी लिए आज भारत का सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि **'विकसित केरलम्' के संकल्प को साकार करने के लिए जब-जब भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता केरल की जनता के बीच पहुंचे, भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा है।** उन्होंने केरल की जनता से आग्रह करते हुए कहा कि आगामी लोकल बॉडी चुनाव में भाजपा और एनडीए 21,000 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और भाजपा का लक्ष्य 25 प्रतिशत से अधिक वोट प्राप्त करने का है। इसलिए **आज से लेकर नवंबर तक का पूरा भाजपा कार्यकर्तों को अपना समय 'विकसित केरलम्' के लिए समर्पित करना है।**

****